

प्रेषक,

संतोष गडोनी,  
अनुसचिव  
उत्तरांचल शासन ।

सेवा में,

निदेशक पर्यटन,  
उत्तरांचल, देहरादून ।

पर्यटन अनुभाग:

देहरादून दिनांक 11 जनवरी, 2005

विषय: जिला योजना 2004-2005 के अधीन पर्यटक स्थलों का सौन्दर्यीकरण तथा सुविधाओं हेतु धनावंटन के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-268/2-6-215/2004-05 दिनांक 21-09-2004 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय जिला योजना 2004-2005 के अधीन पर्यटक स्थलों का सौन्दर्यीकरण तथा सुविधाओं हेतु रु० 10.90 लाख के आगणनों के सापेक्ष टी0ए0सी0 द्वारा परीक्षणोपरान्त संस्तुत रूपये 10.60 लाख की लागत के आगणनों पर प्रशासनिक स्वीकृति सहित चालू वित्तीय वर्ष 2004-2005 में निम्नलिखित योजनाओं हेतु निम्नविवरणानुसार रु० 10.60 लाख (रुपये दस लाख साठ हजार मात्र) की धनराशि को डिपॉजिट के रूप में आहरित कर व्यय करने की स्वीकृति सहर्ष प्रदान करते हैं :-

क्र०स०	योजना का नाम	योजना का मूल आगणन (रु० लाख में)	टी0ए0सी0 द्वारा संस्तुत /स्वीकृत की जा रही धनराशि (लाख रु० में)
1-	एडी मंदिर का सौन्दर्यीकरण	1.00	1.00
2-	खरही से हरिजन बस्ती तक सी०सी० मार्ग का निर्माण	5.35	5.20
3-	एडी मंदिर से कोट लथोली तक हल्का मोटर मार्ग का निर्माण	4.55	4.40
	योग:-	10.90	10.60

2- उक्त स्वीकृत धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत की जाती है कि मितव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाय। यहां यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता जिसे व्यय करने के लिये बजट मैनुअल या वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने के पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है और ऐसा व्यय सम्बन्धित की स्वीकृति प्राप्त कर के ही किया जाना चाहिये। व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है। व्यय करते समय मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में निहित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन किया जाय।

3- आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत /अनुमोदित दरों को जो दरें शिडूल आफ रेट में स्वीकृत नहीं है अथवा बाजार भाव से ली गई है की स्वीकृति नियमानुसार कम से कम अधीक्षण अभियन्ता स्तर के अधिकारी से स्वीकृत करालें।

4- कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य प्रारम्भ न किया जाय।

5- कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना कि स्वीकृत नाम है, स्वीकृत नाम से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।

6- एक मुश्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा।



- 7- उक्त योजना पर धनराशि आहरित करने के पूर्व यह सुनिश्चित कर लिया जायेगा कि उक्त योजनायें जिला योजना एवं अनुश्रवण समिति द्वारा अनुमोदित हों और जनपद हेतु आवंटित प्लान परिव्यय के अनुरूप ही हो, अथवा सम्बंधित आहरण एवं वितरण अधिकारी पूर्ण रूप से उत्तरदायी माने जायेंगे।
- 8- यहाँ यह भी स्पष्ट किया जाता है कि इन योजनाओं हेतु पूर्व में धनराशि स्वीकृति न हुआ हो। इस हेतु सम्बंधित आहरण वितरण अधिकारी पूर्ण रूप से उत्तरदायी होगा।
- 9- योजना/कार्य पूर्ण होने के उपरान्त सम्बंधित निर्माण एजेन्सी उक्त कार्य स्थल पर इस आशय का एक साइन बोर्ड स्थापित करेगा कि उक्त कार्य पर्यटन विभाग द्वारा निर्मित किया गया है। कार्य पूर्ण होने के उपरान्त सम्बंधित जिला पर्यटन विकास अधिकारी कार्य का भौतिक निरीक्षण कर कार्य पूर्ण होने की सूचना यथा समय शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे।
- 10-कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएँ तकनीकी दृष्टि के मध्य नजर रखते एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्य को सम्पादित कराते समय पालन करना सुनिश्चित करें।
- 11-कार्य कराने से पूर्व स्थल का भली-भाँति निरीक्षण उच्च अधिकारियों एवं भुगर्ववेत्ता के साथ अवश्य करा लें। निरीक्षण के पश्चात् स्थल आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जायें।
- 12-आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृति की गयी है, उसी मद पर व्यय किया जाय, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाय।
- 13-निर्माण सामग्री का उपयोग में लाने से पूर्व किसी प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा ली जाय, तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को प्रयोग में लाया जाय।
- 14-कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता हेतु सम्बंधित निर्माण एजेन्सी पूर्ण रूप से उत्तरदायी होगी।
- 15-उपरोक्त व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2004-2005 के अनुदान संख्या-26 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक -5452-पर्यटन पर पूँजीगत परिव्यय-80-सामान्य-आयोजनागत-104-सम्बर्धन तथा प्रचार-91-जिला योजना 07-पर्यटक स्थलों का सौन्दर्यीकरण तथा सुविधायें 42- अन्य व्यय के नामें डाला जायेगा।
- 16-उपरोक्त आदेश वित्त विभाग के अशा0 सं0- 2305/वित्त अनु0-3/2004, दिनांक 04 जनवरी, 2005 में प्राप्त उनकी सहमति के आधार पर जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय

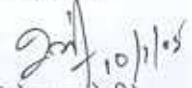
(संतोष बडोनी)  
अनुसचिव

पृष्ठांकन संख्या- /VI-i /2004-3(6)2004 टी0सी0 तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

- 1- महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तरांचल, देहरादून।
- 2- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 3- जिलाधिकारी, चम्पावत।
- 4- जिला पर्यटन विकास अधिकारी चम्पावत।
- 5- वित्त अनुभाग-3, उत्तरांचल शासन।
- 6- श्री एल0एम0पन्त, अपर सचिव वित्त।
- 7- अपर सचिव, नियोजन विभाग, उत्तरांचल शासन।
- 8- एन0आई0सी0, उत्तरांचल सचिवालय परिसर।
- 9- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

  
(संतोष बडोनी)  
अनुसचिव।